

पाठ्य विषय पाँच इकाइयों में विभक्त होगा।

अंक -100

**इकाई -I**

भाषा और भाषा विज्ञान -

भाषा का अभिप्राय, प्रकृति, रूप (बोली, विभाषा, भाषा) भाषा विकास के कारण, भाषा परिवर्तन की दिशाएँ, भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं क्षेत्र तथा अन्य विधाओं से भाषा विज्ञान का संबंध, भाषा विज्ञान की उपयोगिता।

**इकाई -II**

ध्वनि विज्ञान एवं रूप विज्ञान -

ध्वनि विज्ञान की परिभाषा एवं वैज्ञानिक आधार, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि नियम, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, रूप विज्ञान का स्वरूप, शब्द और उनके भेद, पद निर्माण के उपकरण, संबंध तत्त्व के भेद, संबंध तत्त्व और अर्थ तत्त्व का संबंध, रूप परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

**इकाई -III**

अर्थ विज्ञान -

अर्थ विज्ञान का स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ बोध के साधन, अर्थ बोध के बाधक तत्त्व, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

**इकाई -IV**

भाषाओं का वर्गीकरण -

भाषाओं के वर्गीकरण के आधार, आकृतिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण।

## इकाई –V

हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि –

हिन्दी शब्द का अभिप्राय, हिन्दी का विकास क्रम हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, हिन्दी की उपभाषाएँ और बोलियाँ, दक्खिनी हिन्दी का विकास, देवनागरी के गुण-दोष एवं सुधार के प्रयत्नों का परिचय।

सहायक ग्रंथ –

1. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद
2. देवेन्द्रनाथ शर्मा : भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. किशोरीदास वाजपेयी : भारतीय भाषा विज्ञान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रामविलास शर्मा : भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. रामविलास शर्मा : भारत की भाषा समस्या, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. रामविलास शर्मा : ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. रामविलास शर्मा : भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी (तीन भाग), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. राजमल बोरा : भाषा विज्ञान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
9. विमलेश कांति वर्मा : हिंदी और उसकी उपभाषाएँ, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

...